

बाबूजी के आदर्श विचार



जीवन की खुशियां

जीवन में चापलूकी कर उच्च पद पर पहुंचा जा सकता है लेकिन इतना तब होता है कि जो हिम्मत ईमानदारी और मेहनत से हासिल की जाती है, वह अपने कार्य का अलग ही असर दिखाती है। वर्तमान में अपने स्वार्थ के लिए किसी को भी शहीद करने की मानसिकता बढ़ रही है। ऐसे लोगों का पतन निश्चित रहता है। किसी के साथ किया गया बुरा कभी नहीं चुकता है और उसका फल परमात्मा देते ही हैं, इतना सदा ध्यान रखना चाहिए।



सेवा ही होना चाहिए हर व्यक्ति का उद्देश्य-मोदी

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा संकल्प अभियान' के तहत वडनगर से वाराणसी जाने वाले दल के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद किया। मोदी ने कहा कि सेवा ही हमारा मुख्य कार्य होना चाहिए और सेवा करते-करते ही सेवा का संदेश देना है, कोई उपदेश नहीं देना है। हम सेवा करके ही सेवा का संदेश देंगे। हमारे आचरण से ही लोगों को पता चले कि राजनीति में सत्ता कितनी ही बड़ी क्यों न हो जाए, लेकिन हमारा मार्ग सेवा का ही रहेगा। हम कभी भी सेवा के मार्ग से विचलित नहीं होंगे। कितने ही ऊंचे शिखर पर पहुंचेंगे, लेकिन 'सेवा परमो धर्मः' के भाव को लेकर ही आगे बढ़ेंगे। मोदी ने आगे कहा कि वडनगर और वाराणसी दोनों ही पुरातन ऐतिहासिक शहर हैं। ये दोनों हजारों साल से जीवंत हैं। मेरे लिए तो एक मेरी जन्मभूमि है और दूसरी मेरी कर्मभूमि है। काशी में बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद है और वडनगर, हाटकेश्वर महादेव के आशीष की भूमि है। आप सभी इन दोनों शहरों के बीच सेवा का इतना बड़ा अभियान चला रहे हैं। अभी मुझे कुछ साथियों से बात करने का मौका भी मिला। जो वडनगर से निकले हैं और वाराणसी की तरफ बढ़ रहे हैं।

किसानों की हरसंभव मदद करेगी सरकार

खेतों में पहुंचे सीएम फड़णवीस, रोते किसान को बंधाया ढांडस, कहा-चिंता न करें, हर मदद देंगे

विदर्भ स्वाभिमान, 23 सितंबर मुंबई/लातूर/धाराशिव
राज्य में मौसम के कारण मुसीबत में फंसे किसानों की मदद के लिए राज्य सरकार सामने आयी है। स्वयं राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने किसानों को चिंता नहीं करने, हिम्मत रखने और राज्य सरकार द्वारा हरसंभव मदद करने का भरोसा दिलाया है। स्वयं किसानों के खेतों पर पहुंचे फड़णवीस ने कहा कि किसानों की मदद के लिए सरकार तत्पर है और वह हर हाल में मदद करेगी। इससे किसानों में नई उम्मीद जगी है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने लातूर जिले के निलंगा और औसा क्षेत्रों में सूखे की स्थिति का जायजा लेने के दौरान भावक हुए किसानों को सांत्वना दी और

उन्हें गले लगाकर हर संभव मदद का भरोसा दिया। इस घटना से जुड़ी मुख्य बातें इस प्रकार हैं: भावक क्षण: मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस जब लातूर और धाराशिव के गांवों में फसलों के नकसान का निरीक्षण करने खेतों में पहुंचे, तो कम बारिश और बर्बाद हुई सोयाबीन की फसल देख एक पीड़ित किसान उनके सामने ही फूट-फूटकर रोने लगा। किसान को इस तरह रोता देख मुख्यमंत्री भी भावक हो गए और उन्होंने किसान को गले लगाया तथा उसके आंसू पोंछते हुए कहा 'चिंता मत करो, सरकार आपके साथ मजबूती से खड़ी है'। सूखे की गंभीर स्थिति: सीएम फड़णवीस ने बताया कि लातूर और धाराशिव सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में स्थिति बेहद गंभीर है, क्योंकि इस साल यहां केवल 50 प्रतिशत ही बारिश हुई है। बारिश का भारी कमी के कारण



सोयाबीन, मक्का और कपास जैसी खरीफ फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे तुरंत पूरा करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि शनिवार से पहले राज्य में सूखे की पहली आधिकारिक अधिसूचना जारी

कर दी जाएगी। राहत पैकेज का आश्वासन: सरकार ने किसानों को सीधे आर्थिक सहायता देने, रबी सीजन की फसलों के लिए मदद पहुंचाने, पेयजल की किल्लत दूर करने और मवेशियों के लिए चारे की व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया गया है।

आचार संहिता का पालन करें-गुंडे

विदर्भ स्वाभिमान, 23 सितंबर अमरावती- शिक्षक चुनाव क्षेत्र चुनाव में आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने का नरिदेश संभागीय आयुक्त नयना गुंडे ने दिया है। इस बारे में तैयारियों को प्रशासन अंतिम रूप दे रहा है। संभाग के 5 जिलाधिकारियों, 27 एसडीओ और 56 तहसीलदारों पर चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने का जिम्मा सौंपा गया है। अमरावती संभाग में विधान परिषद की शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की एक सीट के लिए 23 अक्टूबर को हो रहे चुनाव में कई दिग्गजों द्वारा भाग्य आजमाने की संभावना के बीच प्रशासन चुनावी

तैयारियों में लग गया है।

चुनाव अधिकारी और संभागीय आयुक्त नयना गुंडे ने बुधवार को पत्रकार परिषद में यह जानकारी दी। उन्होंने सभी दलों से चुनाव आचार संहिता का पालन करने का आग्रह किया। संभाग में फिलहाल 33964 मतदाता पंजीबद्ध हैं। पांच जिलों में और मतदाता बढ़ने की संभावना है। चुनावी कार्यक्रम के मुताबिक 29 सितंबर को चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। नामांक 6 अक्टूबर तक दाखिल होगा। 7 को वापसी और 9 तक नाम वापस ले सकेंगे। 23 को मतदान होगा।

रिवल होलसेल शोल्डर की रियल सेल

श्रद्धा बंपर धमाका सेल

5000 की खरीदी पर 1000 की खरीदी पर साव 10% से 60% तक की छूट की

■ 2 ग माला, तखतमल ईस्टेट, अमरावती.
■ L4 बिजिलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

शुक्रवार | शनिवार | रविवार

लग भग आधी किमते

फ्रेश स्टॉक डायरेक्ट फैक्टरी

सेल आराधना®

होलसेल शॉपिंग मॉल

• वतारसी शालू • डिझायनर साड्या • पाथरा ओढवी • सतवार सुट
• इस मटेरियल • रेडीमेड कोट • सुटिंग-शर्टिंग • टिबेज वेअर • किड्स वेअर

जवाहर रोड, अमरावती. ☎ 2574594

L -2, बिजिलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

हत्या के बाद दुर्घटनाओं ने बढ़ाया मौत का डर

अमरावती शहर के साथ ही जिले में हत्याओं की घटनाओं के चलते जहां सर्वत्र डर का माहौल है, वहीं दूसरी ओर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ने के कारण दुर्घटनाओं ने सड़क चलते लोगों का जीवन खतरे में डाल दिया है। ऐसा कोई दिन नहीं हो रहा है जब दुर्घटना में लोग घायल नहीं होते हैं अथवा लोगों की मौत नहीं होती है। सवाल यह है कि वाहन पहले भी थे लेकिन इतनी दुर्घटनाएं नहीं होती थीं। लोगों में कानून का डर था लेकिन आज तो यातायात कर्मियों के पास से तिबल सीट नाबालिग जब निकलते हैं और फरटते से निकलते समय बाकी लोग देखकर हैरत करते हैं ऐसे युवाओं के कारण ही बड़ी संख्या में दुर्घटनाएं हो रही हैं। कानून का डर नहीं रहने का इसे असर माना जा रहा है। दुर्घटना में मौतों से कई परिवार की जिंदगी नरक में बदल जाती हैं, वहीं कई बार दुर्घटनाओं में महिलाओं और बच्चों की मौत तो निश्चित ही चिंतित करने वाली है। लोगों में संयम नहीं है, भागमभाग मची है, इसका असर कई बार सीधे-साधे व्यक्ति पर पड़कर पूरा परिवार तबाह हो जाता है।

अमरावती जिले में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला चिंता बढ़ा रहा है। हाल के दिनों में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में जनहानि और गंभीर चोटों की घटनाएं सामने आई हैं। 21 सितंबर 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को जिले में तीन अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक की मौत और छह लोग घायल हुए। 16 सितंबर को अमरावती में ट्रक की चपेट में आने से दो बैड कलाकारों की मौत की भी खबर सामने आई। इससे पहले जून में समृद्धि महामार्ग पर कार और खड़े कंटेनर की टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई थी। लगातार हो रही दुर्घटनाएं केवल वाहन चालकों की लापरवाही का विषय नहीं हैं। तेज गति, यातायात नियमों की अनदेखी, सड़क की स्थिति, भारी वाहनों की आवाजाही और रात के समय सुरक्षा व्यवस्था जैसे कई पहलुओं की गंभीर समीक्षा जरूरी है। प्रशासन को दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान कर वहां प्रभावी उपाय करने चाहिए। हादसे के बाद केवल पंचनामा और जांच नहीं, बल्कि स्थायी सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है। लोगों की जान बचाने के लिए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन और जनजागृति दोनों पर समान रूप से जोर देना समय की मांग है। समय कीमती है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है लेकिन जीवन उससे भी कई गुना अधिक कीमती है, इस बात को ध्यान में रखते हुए निश्चित रूप से गाड़ी की गति, यातायात नियमों का पालन किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य की बात है कि शहर के साथ ही जिले में बढ़ रही दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस, आरटीओ को पहल करनी चाहिए।

संवेदनशील मुख्यमंत्री हैं फड़णवीस



विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199



कहते हैं कि प्रकृति और परमात्मा पर किसी का वश नहीं चलता है। लेकिन यह सौभाग्य की बात है कि बारिश की कमी के कारण मुसीबत में फंसे किसानों के मामले में राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा जिस तत्परता से कार्य किया जा रहा है, स्वयं किसानों के खेतों में पहुंचकर जिस तरह से वे किसानों के दर्द को अपना दर्द बनाने के साथ ही उनके साथ राज्य सरकार खड़ी रहने तथा हरसंभव मदद देने की बात कह रहे हैं निश्चित तौर पर यह किसानों को हिम्मत बंधाने में कारगर भूमिका निभाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की सराहना की जानी चाहिए। आज के दौर में नेताओं में संवेदनाएं खत्म होने तथा हर बात पर घड़ियाली आंसू बहाने का जहां आरोप लगाया जाता है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा भाषणबाजी नहीं करते हुए स्वयं किसानों के आंसू पोंछने तथा उन्हें हिम्मत देने का काम कर रहे हैं, वह निश्चित ही सराहनीय है। वैसे भी पिछले कुछ वर्षों से प्रकृति की मार का सबसे अधिक भुगतान किसानों को ही करना पड़ा है। आज कल हर मामले में राजनीति होती है। लेकिन लातुर और धाराशिव में जिस तरह से किसानों के आंसू पोंछे वह काबिल ए तारीफ है। देवेन्द्र फड़णवीस ने किसानों

को आर्थिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए कृषि क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। जून 2026 में राज्य मंत्रिमंडल ने 36,585 करोड़ की पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर शेतकरी कर्ममत्ती योजना को मंजूरी दी, जिससे लगभग 55.72 लाख किसानों को लाभ मिलने का अनुमान है। योजना में पात्र किसानों के लिए 2 लाख तक की कर्जमाफी तथा नियमित कर्ज चुकाने वाले किसानों के लिए 50 हजार तक प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के लिए भी सरकार ने सहायता उपलब्ध कराई है। राज्यपाल के 2026 के अभिभाषण के अनुसार, जून से अक्टूबर 2025 के दौरान अतिवृष्टि

और बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए फसल नुकसान, कृषि भूमि क्षति तथा रबी बीज आदि के लिए 15,576 करोड़ की सहायता वितरित की गई। किसानों के लिए खेतों तक पहुंच, उत्पादन और बाजार तक उपज पहुंचाने से जुड़ी सुविधाओं पर भी सरकार ने जोर दिया है। मुख्यमंत्री बलीराजा शेतकरी पांढरा रस्ते योजना के माध्यम से हर मौसम में उपयोगी खेत मार्गों को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। इन निर्णयों के आधार पर फड़णवीस सरकार की कृषि नीति में कर्ज राहत, प्राकृतिक आपदा सहायता, नियमित कर्जदार किसानों को प्रोत्साहन और ग्रामीण कृषि बनियादी ढांचे जैसे मद्दे प्रमुख दिखाई देते हैं। आमतौर पर मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए फैसले लागू करने की जिम्मेदारी प्रशासन की होती है। अगर मुख्यमंत्री जैसी ही संवेदनशीलता अगर प्रशासन दिखाए तो निश्चित तौर पर किसी किसान पर आत्महत्या करने की नौबत नहीं आएगी। लेकिन कई बार भ्रष्टाचार के गत में डूबे प्रशासन के कारण सरकार बदनाम होती है। मुख्यमंत्री फड़णवीस को इस पर बारीकी से ध्यान होगा।



अगले साल के आमंत्रण के साथ बाप्पा को देंगे विदाई, भारी बंदोबस्त

विदर्भ स्वाभिमान, 23 सितंबर मुंबई/अमरावती- शहर के साथ ही राज्य में पिछले दस से अधिक दिनों से जारी गणेशजी की पूजा-अर्चना और आराधना के साथ ही बाप्पा को विदाई देने का समय आ गया है। इस दौरान जहां विभिन्न गणेश मंडलों द्वारा धार्मिक, सामाजिक तथा स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से लाखों लोगों को लाभान्वित किया गया। विघ्नहर्ता का

अमरावती में भी जहां सैकड़ों मंडलों द्वारा स्वागत किया गया, वहीं प्रशासन द्वारा बाप्पा को विदाई देने के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। मुंबई, पुणे और अन्य बड़े शहरों में बाप्पा को आमंत्रण के साथ ही विदाई दी जा रही है।

शहर पुलिस आयुक्त राकेश ओला तथा जिला पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम के मार्गदर्शन में शहर

तथा जिले में भी बाप्पा को विदाई देने का कार्यक्रम तय किया गया है। सभी मंडलों से अति उत्साह नहीं करने और नियमों का पालन करते हुए बाप्पा को विदाई देने तथा प्रशासन को सहयोग करने का आग्रह किया है। सभी देवताओं में प्रथम गणपति बाप्पा इस साल 14 सितंबर 2026 को पधारें हैं। ऐसे में 25 सितंबर 2026, अनंत चतुर्दशी के मौके पर बाप्पा अपने भक्तों से विदाई ले

बेटियों की सुरक्षा क्यों हो रही तार-तार

विदर्भ स्वाभिमान, 23 सितंबर
समस्तीपुर/अमरावती- कानून के डर को आखिर क्या हो गया है, शहर के साथ ही देशभर में जिस तरह से बेटियों के साथ असभ्य घटनाएं हो रही हैं, बेटियों की हत्याएं हो रही हैं, कहीं मनचलों द्वारा सरेआम छेड़खानी की घटनाएं बढ़ रही हैं, इससे जहां पुलिस तथा प्रशासनिक यंत्रणा की सक्रियता पर सवाल उठ रहा है, वहीं चिंता की बात है कि हमारे ही शहर तथा गांव में अगर बेटियां सुरक्षित नहीं हैं तो निश्चित ही यह चिंता नहीं बल्कि गंभीर चिंतन का विषय है। बिहार के जमुई में एक छात्रा से छेड़छाड़ का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि समस्तीपुर से भी एक युवती के साथ सरेआम अभद्रता का एक वीडियो सामने आ गया। पुलिस को सक्रिय करने तथा ऐसे मनचलों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए जनदवाब ही मजबूर करने का काम कर सकता है, जब कोई बलात्कार बरी होता है तो इसका गलत संदेश

कानून की कड़ाई कहां हुई गायब, बढ़ रही है मनचलों की हिम्मत सामाजिक संगठनों का दवाब क्यों हो रहा है खत्म, अंकुश जरूरी



समाज में जाता है। ऐसे आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ ही ऐसे तत्वों पर अंकुश लगाना जरूरी हो गया है। देश भर में इस

तरह की घटनाएं जिस तरह से बढ़ रही हैं, वह निश्चित ही चिंता वाली बात है। विदर्भ स्वाभिमान का आग्रह है कि बेटियों की सुरक्षा हर हाल में

सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए महिला, सामाजिक संगठनों को भी आगे आने होगा। हादसा होने के बाद मोमबत्ती जलाने और फोटो खिंचवाने की बढ़ती

संस्कृति खत्म होकर हादसे से पहले ही लोगों को भी आगे आना चाहिए।

जिला मुख्यालय के महज कुछ किलोमीटर दूर कपूरोग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव स्थित बांध बाईपास रोड पर फोटो लेने स्क्वी एक युवती को कुछ युवकों ने कथित तौर पर घेर लिया। आरोप है कि उसके साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया गया। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बुधवार रात से वायरल हो गया। उधर वीडियो सामने आने के बाद समस्तीपुर पुलिस सक्रिय हुई।

पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जगतसिंहपुर गांव निवासी चार युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए भी पुलिसिया छानबीन जारी है। बेटियों को भी अकेले में नाहक घूमने से बचना चाहिए और स्वयं की सुरक्षा के लिए स्वयं को भी मजबूत बनाने का प्रयास करना होगा।

विदर्भ स्वाभिमान, 23 सितंबर

नई दिल्ली- सर्दियां चौखट पर खड़ी हैं, लेकिन अल-नीनो का साया दरवाजा रोककर खड़ा है। इसके साथ ही पराली जलाने का मौसम भी नजदीक आ गया है। ऐसे में देश की राजधानी दिल्ली समेत इससे सटे राज्य उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान की हवा बदलने वाली है। बारिश के होने से हवा में जमा प्रदूषक तत्व धूल जाते हैं, लेकिन सुपर अल-नीनो के चलते बारिश की संभावना कम हो गई है। ऐसे में पराली के धुएं से प्रदूषण के और भी ज्यादा बढ़ने की आशंका है। प्रशांत महासागर का तापमान

सर्दियां चौखट पर, अल-नीनो का साया बरकरार

उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब में बढ़ाएगा मुसीबत, किसानों पर हो सकता है असर

3-डिग्री बढ़ गया है। यह खतरनाक संकेत माना जा रहा है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सीएचएनएच) के फाउंडर और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज) में चेयर प्रोफेसर गफरान बेग ने कहा, 'हम सुपर अल-नीनो का सामना कर रहे हैं, जो इस सदी की अनोखी घटना है। अक्टूबर के पहले सप्ताह में उत्तर प्रदेश से

पूर्वांचल में भी असर पड़ सकता है। प्रोफेसर गुफरान बेग ने कहा, 'प्रशांत महासागर का तापमान पहले ही 3 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ चुका है। इससे वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कम होंगे। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के ज्यादा होने से दिल्ली में बारिश होती है और कुछ समय के लिए प्रदूषक साफ हो जाते हैं, लेकिन वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कम होने से प्रदूषण का जमावड़ा ज्यादा



राजपुराहीत
फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आउट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शूटिंग | इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटिंग | ड्रोन शूट
फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटिंग



नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

वाढदिवसाच्या
आभाळभर शुभेच्छा.

आपल्या सर्व इच्छा आकांक्षा,
इच्छित मनोकामना पूर्ण होवोत आणि
आपणास निरामय आरोग्य लाभो
हीच ईश्वर चरणी प्रार्थना.



पंकज मुद्गल मित्र परिवार, डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध
विद्यालय, कार्यशाला के सहयोगी तथा विदर्भ स्वाभिमान
अखबार, अमरावती.

दया रखने का आग्रह कर विष्णु को आशिर्वाद

'शायद यह गगनवाणी ने कहा. यह सत्य है.' कहते उठकर गरुड वाहन पर आरुढ़ होकर सही मार्ग से शेषाचल पर पहुँच गये. वेश बदल कर राज-वेश धारण कर लिया. पुष्करिणी में स्नान संध्यादि कृत्यों को पूरा करके वैखानसाचार्य की पूजा की. उन्हें दिव्यान्न समर्पित किया साथ ही उपहार भी दिए. उसने 'दया रखिए' ऐसा कहते विष्णु को आशीर्वाद दिया.

अशीर वाणी की बातों के अनुसार स्वामी के द्वारा पद्म सरोवर के तट पर निष्ठा के साथ तप करना, उसे विदा करके पहाड़ से उतर कर श्रीनिवास अगत्य मुनि के आश्रम में पहुँच गए. उसके पूरब प्रदेश में सिद्ध स्थल पर पहुँच गए. तब विष्णु ने गरुड-घोड़े से उतर कर वहाँ खड़े होकर वायु देव का स्मरण किया. वायु देव ने आकर विष्णु को नमस्कार करके इस रूप में कहा. 'हे देव! आज मुझे किस काम से स्मरण किया है? बताइए. हे श्रीवल्लभ! आपका सेवक बनकर मैं करूँगा. कहने पर चक्री ने मंदहास करते हुए कहा. 'सुनो हे पवन! तुम स्वर्ग जाकर वहाँ मुख्य रूप से मंदाकिनी में रहनेवाले सुवर्ण कमल को इंद्र से माँगकर लो आओ! तुम जाओ.' चक्री के कहने से पवन ने कहा. 'सुवर्णमुखी में ही सुवर्ण कमल प्राप्त होते हैं. फिर स्वर्ग से उन्हें लाने की क्या जरूरत है?' कहने पर अशीरी वाणी के द्वारा बताया गए वचनों को हरि ने पवन को बताया. तब पवन ने जाकर सहस्र दल सुवर्ण पद्म को अमर पति से माँग कर लाकर हरि को दिया. सुवर्ण पद्म को लानेवाले

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहाँ प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरुवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा, जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण

www.vidarbhsabhiman.com/9423426199

पवन से हरि ने कहा. 'सुनो! पवन! मैं यहीं पर तप करूँगा. इस रहस्य को तुम को बताया. तुम इसे किसी को भी मत बताना!' यह सुनकर पवन 'महाप्रसाद' कहते हरि की आज्ञा लेकर लौट गया. बाद में कमल लोचन ने वहाँ की पुष्करिणी में कमल गाढ़ने के लिए गड्ढा बनाया. उसमें अच्छे ढंग से कमल की नाल को बहराई में गाढ़ दिया. पानी पर कमल को रखकर, दिवाकर को पूरब में प्रतिष्ठा करके पूजा करने लगे. दिवाकर के पश्चिम भाग में पद्मासन पर बैठकर हरि मन को एकाग्र बनाकर उस सुवर्ण कमल पर ध्यान को केंद्रित करके श्री सति के रूप में उसे मान कर जप करने लगे. इस रूप में नित्य मन में ही जप करने लगे. रमादेवी का मंत्र जपते हरि ने सिरि को लेकर इस रूप में तप किया.

मैं तप किया.

गाढ़ने के लिए गड्ढा बनाया. उसमें अच्छे ढंग से कमल की नाल को बहराई में गाढ़ दिया. पानी पर कमल को रख कर, दिवाकर को पूरब में प्रतिष्ठा करके पूजा करने लगे. दिवाकर के पश्चिम भाग में पद्मासन पर बैठकर हरि मन को एकाग्र बनाकर उस सुवर्ण कमल पर ध्यान को केंद्रित करके श्री सति के रूप में उसे मानकर जप करने लगे. इस रूप में नित्य मन में ही जप करने लगे. रमादेवी का मंत्र जपते हरि ने सिरि को लेकर इस रूप में तप किया.

तप में विघ्न डालने के लिए इंद्र का असफल यत्न करना-हरि के इस रूप में तप करने को इंद्र जानते हुए भी 'कोई राजा अर्वाणि में निष्ठा के साथ तप कर रहा है.' ऐसा सोचते हुए अगर उसका तप पूरा हो जाएगा तो अपने इंद्र पद



को छिन लेगा. समझ कर धरती पर तप में विघ्न डालना है. ऐसा इंद्र ने सोचा. तब इंद्र ने अप्सरसाओं को बुलाकर इस रूप में कहा. कोई साहसी अर्वाणि में मेरे पद को प्राप्त करने के लिए तप कर रहा है. उस राजा को धोखा देकर उसके तप को भंग कीजिए. साथ में पुष्पाकर को भी ले जाइए.' ऐसा कहते रंभादि को

सपरिवार इंद्र ने भेज दिया. तब वे मणि भूषण, सुवस्त्र, फूल, दिव्य चंदन को धारण करके हिचकारते तांबूल खाते विष्णु के तप करनेवाले स्थल पर पहुँच गयीं. कलकंठ, लकुलु, ताँते, कलकल ख करते, मलयानिल को बहाते अप्सरसाएँ वहाँ पर पहुँच गयीं. शेष अगले अंक में

जनसेवा में समर्पित हैं सुमति ताई ठोके



जन्मदिन पर विशेष, व्यापक जनसंपर्क है खूबी

के समाधान के लिए लगातार तत्पर रहती हैं. सुमति ताई ठोके का सार्वजनिक जीवन विकास कार्यों के साथ आम नागरिकों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने की भावना से जुड़ा है. क्षेत्र के नागरिकों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए वे विकास, मूलभूत सुविधाओं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जानी जाती हैं.

उनके लिए जनप्रतिनिधित्व का अर्थ केवल पद और प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी अपेक्षाओं और समस्याओं को समझना है. महिला सशक्तीकरण, सामाजिक विकास, नागरिक सुविधाओं और जरूरतमंदों की सहायता जैसे विषयों के प्रति उनकी सक्रियता उनके सेवाभावो दृष्टिकोण को दर्शाती है. मानवता की सेवा में समर्पित सुमतीताई का मानना है कि लोगों ने अपार विश्वास के साथ उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है, ऐसे में वे उनकी पहली प्राथमिकता हैं.

सुमति ताई ठोके की कार्यशैली में

संवाद, सहभागिता और जनहित को महत्व दिखाई देता है. उनका मानना है कि क्षेत्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे.

आज के दौर में राजनीति में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता है. ऐसे समय में सुमति ताई ठोके जैसी जनसेवा के प्रति समर्पित महिला नेतृत्व की सक्रियता समाज के लिए प्रेरणादायी संदेश देती है. विकास की सोच, जनता के प्रति संवेदनशीलता और सेवा का संकल्प इन्हीं मूल्यों के साथ सुमति ताई ठोके जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना. प्रभाग में विकास की गंगा के साथ ही आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, हम यही कामना प्रभु चरणों में करते हैं. जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान, अमरावती.

वाढदिवसाच्या
आभाळभर शुभेच्छा.

आपल्या सर्व इच्छा आकांक्षा,
इच्छित मनोकामना पूर्ण होवोत आणि
आपणास निरामय आरोग्य लाभो
हीच ईश्वर चरणी प्रार्थना.



शुभेच्छुक- प्रभाग के सभी
नागरिक, ठोके परिवार तथा मित्र मंडल,
विदर्भ स्वाभिमान, परिवार, अमरावती.



मानवता, दिव्यांग सेवा में समर्पित हैं पंकज मुद्गल



जन्मदिन पर विशेष

बचपन से ही माता-पिता के संस्कार और मानवता की सेवा की सोच रही है, इसलिए दिव्यांगों के साथ ही बुजुर्गों, पीड़ितों की मदद के लिए यथासंभव प्रयास करता हूँ. इससे मिलने वाला समाधान सदैव खुशियाँ देता है. मित्रों का साथ, माता-पिता का आशिर्वाद ताकत है. पंकज मुद्गल, अमरावती

मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी ईश्वर सेवा है. प्रभु ने इंसान को बनाया है, ऐसे में प्रभु को परमपिता कहा जाता है. कोई भी पिता अपने इंसान रूपी औलाद का दर्द नहीं देख सकता है. भगवान भी उससे ही खुश रहते हैं, जो गरीबों, पीड़ितों, दिव्यांगों तथा बुजुर्गों की यथासंभव सेवा करता है. मेरे जीवन का यही सिद्धांत है, इस आशय का विचार पंकज मुद्गल का है. संघर्ष से सफलता तक का सफर उन्होंने किया है. आज भी कर्म को पूजा मानते हुए समर्पित भाव से काम करते हैं. दिव्यांगों की सेवा को ही जीवन का लक्ष्य बनाने के साथ ही माता-पिता की आदर्श सीख, समाज को आगे बढ़ाने के लिए योगदान देने की खूबी जहाँ पंकज मुद्गल को भीड़ में भी चेहरा बनाती है, वहीं यारों के यार के रूप में वह सभी मित्रों का चेहरा. वह कहता है कि जो भी जिम्मेदारी हमें प्रभु ने सौंपी है, उसका सही तरीके से निर्वहन करने का प्रयास करना चाहिए. बाकी भगवान पर छोड़ देना चाहिए. डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध कर्मशाला के प्रबंधकीय अधीक्षक पंकज मुद्गल ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उक्त बात कही. उनके मुताबिक देश के गौरव और विकास में हर व्यक्ति को योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. इससे निश्चित ही भारत को महासत्ता बनने में समय नहीं लगेगा. अभी तक दिव्यांग सेवा के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित पंकज मुद्गल द्वारा दिव्यांग सेवा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के

लिए भाजपा नेत्री तथा पूर्व सांसद सौ. नवनीत राणा और विधायक रवि राणा के हाथों मॉडल स्टेशन पर हुए समारोह में शानदार सत्कार किया गया. इसी तरह अभी तक उन्हें दर्जनभर से अधिक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. डा. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध विद्यालय के अंतर्गत कर्मशाला में व्यवस्थापकीय अधीक्षक के रूप में सेवारत पंकज यारों का जितना दिलदार यार है, समाज और राष्ट्र के प्रति भी उतना ही जिम्मेदार व्यक्तित्व है. कोरोना महामारी के दौरान दिव्यांगों के साथ ही वरिष्ठों, बुजुर्गों की जिस तरह से सराहनीय सेवा उसने की, जरूरतमंदों को मदद दी. कोई भी व्यक्ति परिपूर्ण नहीं होता है. ऐसे में इंसान में कुछ कमियाँ हो सकती हैं लेकिन इंसानियत की परिपूर्ण भावना ही पंकज की सबसे बड़ी खूबी है. पिछले पंद्रह वर्षों से उसके साथ दोस्ती पर गर्व किया जा सकता है. उसके मुताबिक जब हम किसी को प्रेम और सम्मान देते हैं तो वही लौटकर और बढ़कर हमें मिलता है. जीवन में जितना हो सके, प्रेम बांटते रहना चाहिए. ऐसा करने वाले पर जीवन में कभी अकेला रहने की नौबत नहीं आती है.

राष्ट्र सभा की पहला कर्तव्य

पंकज के मुताबिक देश है तो हम सब हैं. इसलिए हर व्यक्ति के लिए जाति, धर्म, पंथ से महत्वपूर्ण राष्ट्र है. आज हमारी सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे अपने जान की बाजी लगाकर सेना के जवान सीमा पर सेवा देते हैं. उनका त्याग सभी को सर्वोच्च मानना

चाहिए. यह गर्व की बात है कि आज हम आजादी के अमृत महोत्सव के हम सभी साक्षी हैं, यह हमारे सभी के लिए परम भाग्य की बात है. इसके साथ ही हम ऐसे देश के वासी हैं, जहाँ देवी-देवताओं का अवतार हुआ है. इतना ही नहीं तो यह ऐसा महान देश है, जहाँ सभी को मान, सम्मान है. इसीलिए भारत देश को महान कहा जाता है.

विदर्भ स्वाभिमान की सकारात्मक पत्रकारिता तथा मानव सेवा, राष्ट्र सेवा तथा दिव्यांग सेवा को प्रोत्साहित करने के लिए सदैव किए जाने वाले प्रयासों के लिए सराहना की. साथ ही इस तरह की पत्रकारिता को आज की जरूरत बताया. साथ ही कहा कि आज राष्ट्र को लेकर अपार प्रेम और सद्भावना है. यह खूबी केवल भारत में ही हो सकती है. यहाँ तिरंगे की छांव में हर धर्म के पंथ के झंडे गौरव और सम्मान के साथ रहते हैं. जिला अपंग शिक्षक कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष के रूप में भी पंकज मुद्गल विभिन्न समस्याओं को उठाया और उनका निराकरण करने में सफलता प्राप्त करने से दिव्यांग कर्मचारियों में भी लोकप्रिय हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार की मंगलमय शुभकामनाएं. अंत में शायरी

जनसेवा का जज्बा दिल में लेकर जो चलता है,

वही सच्चा सेवक बनकर लोगों के दिलों में बसता है।

ऐसे प्रेरणादायक युवा सेवी को जन्मदिन की बधाई,

आपकी सफलता से ही समाज में खुशहाली आई।

विदर्भ स्वाभिमान, अमरावती.

अभी तक मिले हैं दर्जनों पुरस्कार-

दिव्यांग सेवा के साथ ही मानवता की सेवा, चुनाव में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पंकज मुद्गल को अभी तक जिला चुनाव अधिकारी के साथ ही विभिन्न समाजसेवी संगठनों की ओर से भी कई पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया है. उनके मुताबिक जब हम अच्छी सोच के साथ काम करते हैं तो निश्चित तौर पर वह व्यर्थ नहीं जाती है. डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध विद्यालय की कार्यशाला में प्रबंधकीय अधीक्षक के रूप में वे दिव्यांगों को विभिन्न प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहे हैं. उनका मानना है कि कामयाबी का कोई शार्टकट नहीं होता है. जीवन में अगर सफलता हासिल करनी है तो निश्चित तौर पर मेहनत करना जरूरी है.

अगले बरस जल्दी आ के आमंत्रण के साथ देंगे विदाई विसर्जन स्थलों का किया गया निरीक्षण, रहेगा व्यापक बंदोबस्त, मांगा सहयोग

विदर्भ स्वाभिमान, 23 सितंबर

अमरावती- शहर के साथ ही जिले में सैकड़ों गणेश मंडलों द्वारा विघ्नहर्ता की आराधना भक्तिभाव से करने के बाद अगले बरस के आमंत्रण के साथ ही बाप्पा की विदाई की योजनाओं में जहाँ मंडल लग गए हैं, वहीं विसर्जन स्थलों की जांच और यहाँ इंतजामों को लेकर पुलिस तथा प्रशासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है. शहर के 600 के करीब पंजीकृत और कॉलोनी तथा नगरों में भी बच्चों द्वारा भी गणपति की स्थापना कर बारह दिनों तक शानदार तथा भक्तीभाव से गणेशोत्सव मनाया जा रहा है. अमरावती की विधायक सुलभाताई खोडके तथा बडनेरा के विधायक रवि राणा की मौजूदगी में भी विसर्जन स्थलों पर इंतजाम का निरीक्षण किया गया. इस दौरान मनपा, राजस्व, पुलिस, लोकनिमाण विभाग महावितरण समेत सभी विभागों के अधिकारी तथा अन्य मान्यवर उपस्थित थे.

महाप्रसाद का दौर होगा

रिद्धी सिद्धि के दाता भगवान गणेश की विदाई से पूर्व महाप्रसाद का दौर



भी शुरू होगा. बड़े मंडलों द्वारा झांकियों को कुछ दिन बढ़ाने की संभावना के बीच छोटे गणेश मंडलों द्वारा समय पर ही गणेशजी की विदाई दी जाएगी. छाया कॉलोनी में अष्टविनायक गणेश मंडल ने जहाँ छाया कॉलोनी के राजा की स्थापना करते हुए गणेशोत्सव उत्साह तथा श्रद्धा से मनाया, वहीं मंडल द्वारा गणेश की विदाई के बाद

महाप्रसाद का कार्यक्रम लिया जाएगा, इसकी तैयारियाँ की जा रही हैं. छाया कॉलोनी के ही माय फ्रेंड गणेश मंडल द्वारा भी विघ्नहर्ता की स्थापना के साथ ही पूजा-अर्चना की गई. कुल मिलाकर गणेशोत्सव के कारण शहर के साथ ही जिलेभर में अपार उत्साह का माहौल बन गया था.

अमरावती में इन दिनों गणेशोत्सव

का उत्साह चरम पर है. शहर के विभिन्न गणेश मंडलों और घरों में विघ्नहर्ता श्री गणेश की स्थापना के साथ भक्तिमय वातावरण बना हुआ है. 2026 में अमरावती शहर में करीब 590 स्थानों पर सार्वजनिक गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं, जबकि पूरे जिले में 2,109 सार्वजनिक मंडलों द्वारा गणेशोत्सव मनाया गया. भक्तों को खाटू श्याम सरकार के दर्शन से लेकर महाकाल तक के दर्शन का भाग्य मिला. गणपति बाप्पा मोरया के जयघोष से अमरावती नगरी भक्तिमय हो उठी है. गणेश मंडलों द्वारा आकर्षक सजावट, विद्युत रोशनी, धार्मिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन और सामाजिक जनजागृति के विभिन्न उपक्रम लिए गए. शहर के ऐतिहासिक आझाद हिंद गणेशोत्सव मंडल ने इस वर्ष अपने 99वें वर्ष में गणेशोत्सव भव्य उत्साह के साथ मनाया. भक्तों से महाप्रसाद का लाभ लेने का आग्रह किया गया है. भक्तीभाव के साथ अपार उत्साह ने सभी को सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया. बाप्पी की विदाई तैयारी की जा रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

महत्वपूर्ण नंबरस

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
एसीबी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेंटर	1551
नागरिक काल सेंटर	155300
ब्लड बैंक	948004444

विदर्भ के अष्ट गणेश का दर्शन जीवन करता है धन्य

अमरावती के वायगांव में उमड़ता है भक्तों का सैलाब

विदर्भ स्वाभिमान, 23 सितंबर

अमरावती- विदर्भ सहित राज्य में गणेशोत्सव की धूम मची है। ऐसे में विदर्भ में भी आठ स्थानों पर गणेशजी के प्राचीन मंदिर साक्षात्कारी हैं, इसमें अमरावती के वायगांव स्थित सिद्धि विनायक मंदिर का भी समावेश है। धार्मिक पर्यटन की अपार संभावना यहां है। इनका दर्शन करने दूर-दूर से लोग आते हैं। किसी भी पूजा अनुष्ठान में प्रथम पूज्य गणेशजी होते हैं। सुहास सोहोनी ने इस बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी है।

पश्चिम महाराष्ट्र में आठ गणेश मंदिर अष्टविनायक के रूप में प्रसिद्ध हैं। उसी प्रकार हमारे विदर्भ क्षेत्र में भी पौराणिक एवं ऐतिहासिक आधार वाले आठ प्रमुख गणेश मंदिर हैं। इनमें कुछ स्थानों का संबंध महाभारत काल, त्रैलोक्य-मुनियों के तप और यादव राजाओं के काल से बताया जाता है। गणेश भक्तों को विदर्भ के इन प्राचीन गणेश स्थानों की जानकारी आवश्यक है।

वायगांव के रिद्धि-सिद्धि विनायक अमरावती जिले में स्थित इस मंदिर की स्थापना वर्ष 1675 में होने की जानकारी मिलती है। यहां की गणेश प्रतिमा प्राचीन मानी जाती है। यवनों के आक्रमण के समय इस प्रतिमा को गांव के एक कुएं में सुरक्षित छिपाकर रखा गया था, ऐसी मान्यता है।

अदासा के शमी-विघ्नेश

सावनेर तहसील में स्थित अदासा का यह गणेश मंदिर अत्यंत प्राचीन माना जाता है। मान्यता के अनुसार यह प्रतिमा राजा बलि के काल से संबंधित है। लगभग 12 फीट ऊंची यह गणेश प्रतिमा नृत्य मुद्रा में विराजमान है।

केलझर के सिद्धि विनायक

वर्धा जिले के केलझर में दक्षिणाभिमुख सिद्धि विनायक की प्रतिमा है। यह दाईं सूंड वाले गणेश हैं और लगभग 4 से साढ़े चार फीट ऊंची प्रतिमा सखासन में विराजमान है। मान्यता है कि त्रैलोक्य वशिष्ठ ने यहां श्रीगणेश की स्थापना की थी। पौराणिक कथा के अनुसार कृती पुत्र भीम ने इसी क्षेत्र में बकासुर का वध किया था। कहा जाता

है कि त्रैलोक्य वशिष्ठ का आश्रम भी इसी क्षेत्र में था।

यवतमाल जिले के कलंब के चिंतामणि

कपास के पौधे से संबंधित खोज के लिए प्रसिद्ध महर्षि गुत्समद के निवास से पावन माने जाने वाला कलंब अत्यंत प्राचीन तीर्थस्थल है। यवतमाल से लगभग 23 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान जमीन की सतह से करीब 32 फीट नीचे है। इसी कुंड में श्री चिंतामणि विराजमान हैं। मान्यता है कि प्रत्येक 12 वर्ष में यह कुंड जलराशि से पूर्ण भर जाता है।

चंद्रपुर के भद्रावती के वरदविनायक

चंद्रपुर जिले में भांदक गांव के समीप स्थित यह प्राचीन गणेश क्षेत्र है। यहां पुरुषभर ऊंची चतुर्भुज गणेश प्रतिमा भालचंद्र स्वरूप में विराजमान है। पौराणिक मान्यता के अनुसार पांडव पुत्र सहदेव यहां तक युद्ध करते हुए आए थे।

भंडारा के पवनी के सर्वतोभद्र गणेश

भंडारा जिले के पवनी में सर्वतोभद्र गणेश की प्राचीन पंचानन स्तंभ प्रतिमा स्थित है। यह पूरा क्षेत्र अत्यंत प्राचीन माना जाता है और इसका धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व भी बताया जाता है।

भंडारा के भृशंड गणेश

भंडारा के पूर्व में मेढा गांव में हेमाडपंथी शैली की घुमटी में लगभग डेढ़ पुरुष ऊंची श्रीगणेश प्रतिमा विराजमान है। पौराणिक संदर्भों के अनुसार यहां भृशंड त्रैलोक्य के गणेश रूप का दर्शन होता है। वैनगंगा नदी के तट पर स्थित यह क्षेत्र मुद्गल त्रैलोक्य की



पावन तपोभूमि माना जाता है।

रामटेक के अष्टदशभुज गणेश

रामटेक में अठारह भुजाओं वाले गणेश की अद्वितीय प्रतिमा विराजमान है। विभिन्न शस्त्र धारण किए हुए यह अष्टदशभुज गणेश स्वरूप विशेष आकर्षण का केंद्र है और इसे अपने प्रकार की अनोखी प्रतिमा माना जाता है। विदर्भ की इन प्राचीन गणेश स्थलों की धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक मान्यताओं से परिचित होकर गणेश भक्तों को इनका दर्शन अवश्य करना चाहिए। यहां गणेशजी का दर्शन पावन व लाभकारी है।

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी,
गोपाल नगर,
अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो. ८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

विवाह वस्त्र...

- बनारसी शालु
- लकड़ाबस्ता
- घाघरा ओढणी
- लाछा
- डिझाईनर साड्या
- सलवार सूट
- कुर्ती
- ९ वारी पातळे

जयस्तंभ चौक, अमरावती. फोन. २५७२६७२, २५६४१७२

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

जीवन में सकारात्मक सोच रहना अति आवश्यक होता है। लेकिन इसके साथ ही कुछ लोग इतने स्वार्थी होते हैं कि उनके साथ कितना भी अच्छे से रहें, वे अपने स्वार्थ से बाज नहीं आते हैं। कल्युग का प्रताप कहीं या भाग्य, ऐसे ही लोगों के पास सुविधाएं और लक्ष्मी दोनों ही जाती हैं। यह नजारा देखकर ईमानदार व्यक्ति को दुःख होता है। हालांकि ऐसे लोगों को जो जीवन में कभी किसी का अच्छा नहीं सोचते हैं, एक समय बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। लेकिन यह लोग अपने अहंकार से ही मारे जाते हैं, इससे भी कोई इंकार नहीं कर सकता है। कल्युग का प्रभाव ही है कि चापलूसी करते हुए अयोग्य व्यक्ति बड़े पद पर पहुंच जाता है और पूरी तरह से समर्पित व्यक्ति के लिए काम करना कठिन हो जाता है। सरकारी कार्यालयों से भी निजी नौकरियां करने वालों के लिए यह बात लागू होती है। जीवन में किसी का अच्छा नहीं कर सकते हैं तो कम से कम बुरा करने की बात नहीं सोचनी चाहिए।

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक www.vidarbhswabhiman.com

1985 से

श्री आनंद एजेंसीज

सर्व प्रकारचे ऑटो, हॉस्पिटल, स्कूल, कॉलेज व घरांतील फर्निचर उपलब्ध

उपलब्ध फर्निचर

- एक्झिक्यूटिव चेअर
- स्ट्रीम आरामची
- हॉस्पिटल फर्निचर
- डिजिटल चेअर
- पारंपरिक कुलु
- सोफा बेंच
- ऑफिस टेबल
- स्टोलेड बेंच
- मॉड्युलर फर्निचर
- कोयटुल फर्निचर
- स्कूल / कॉलेज टेबल
- किचन व हॉल फर्निचर

1985 से विश्वविषय शासक सेवा में उत्कृष्ट

उत्तम गुणवत्ता

वाजवी दर

समय पर डिलीवरी

पायलट सलुटि

गणेश्वर मार्केट, उमानिवा नशीद समोर,
बस स्टैंड रोड, अमरावती - 444 602
फोन : 9721 2663062

9422995452
9422156496

Email : prabakaran@anand-easij.com

अमरावती वसई अमरावती, अमरावती वसई अमरावती

अमरावती वसई अमरावती, अमरावती वसई अमरावती



गुरुवार 24 से 30 सितंबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है। गणेशोत्सव के साथ अन्य पर्वों की खुशियां सदा प्रसन्न करेंगी। वाहन धीरे से चलाएं और नाहक वाद-विवाद से सप्ताह में बचना आपके लिए श्रेयस्कर होगा। कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने का योग बन रहा है। अपने काम पर ही ध्यान देना अधिक लाभदायी होगा। दूसरे के फटे में टांग अड़ाने से बचने का प्रयास करें।

मेघ-अपनी टीम को साफ तौर पर काम करने के लिए मोटिवेट करने से काम करने की क्षमता बढ़ेगी और काम अधूरा रहने की संभावना कम होगी। घर पर आपकी मौजूदगी आपके बच्चों के साथ-साथ परिवार को भी सुख और कॉन्फिडेंस देगी।

वृषभ-आपका खुशमिजाज और समझदार स्वभाव घर में शांति बनाए रखने में मदद करेगा। इन्वेस्टमेंट के कई अच्छे ऑप्शन सामने आ सकते हैं, लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले उसके फायदे और....

मिथुन-अपने जूनियर्स और क्लर्क की हिम्मत बढ़ाने से उनकी काबिलियत बढ़ेगी और आप पर उनका भरोसा और मजबूत होगा। अपने बच्चों के साथ समय बिताने से आप ज्यादा खुश रहेंगे और अकेलापन कम महसूस करेंगे।

कर्क-आपको काम की जगह पर कोई जिम्मेदार पद या ज़रूरी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। बिना जल्दबाज़ी के अपने परिवार के साथ समय बिताने से आपके रिश्तों में प्यार और अपनापन आएगा।

सिंह-काम और पढ़ाई में आपकी तरक्की अच्छी रहेगी। कोई भी चीज़ आपकी मेहनत और पक्के इरादों को आसानी से कम नहीं कर पाएगी। आप घर पर कुछ नया और दिलचस्प कर पाएंगे। जीवन में खुशियां बांटने का सदा भाव रखना, सब अच्छा होगा।

कन्या-इस हफ्ते आपकी काबिलियत साफ दिखेगी, जिससे आपके करियर में नए मौकों मिल सकते हैं। घर पर अपनी राय बहुत ज्यादा थोपने की कोशिश करने से बहस हो सकती है, इसलिए दूसरे....

तुला-अच्छी सेहत आपको पूरे हफ्ते एनर्जेटिक और पॉजिटिव रखेगी। आपकी काबिलियत आपका कॉन्फिडेंस बढ़ाएगी और नए मौकों का रास्ता बनाएगी। घर

पर बहुत ज्यादा सख्त या बेसब्र....

वृश्चिक-काम पर नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारियाँ आपको काबिलियत और क्रिएटिविटी दिखाने का अच्छा मौका देंगी। परिवार में बातचीत, प्यार और तालमेल से खुशियाँ बढ़ेंगी। आपकी मजबूत फ़ाइनैशियल स्थिति....

धनु-कड़ी मेहनत और पॉजिटिव सोच से आपके करियर में सफलता के चांस बढ़ेंगे। घर पर इमोशनल प्रॉब्लम को समझदारी और समझदारी से हँडल किया जा सकता है ताकि परिवार में शांति बनी रहे। इन्वेस्टमेंट के फ़ैसले सोच-समझकर लेना लाभदायी रहेगा।

मकर-काम की जगह पर एक ऑर्गनाइज़्ड, फेयर और सपोर्टिव माहौल आपको अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए इन्सपिर करेगा। अपनी चिंताओं और भावनाओं को अपने परिवार के साथ खुलकर बताने से रिश्ते बेहतर हो सकेंगे।

कुंभ-अपनी टीम के सदस्यों के छोटे से छोटे योगदान की भी सराहना करने से आपसी विश्वास बढ़ेगा और सभी का मनोबल बढ़ेगा। घर में बदलावों के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन सहयोग की भावना रखने से सब कुछ संभव होगा।

मीन-सहकर्मियों से मिले सपोर्ट और अच्छे सुझाव टीमवर्क को मजबूत करेंगे और काम में तेजी लाएंगे। निजी मामलों को समझने और सुलझाने में आपको अपने परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा।

आपका सप्ताह शुभ हो। विदर्भ स्वाभिमान यही कामना परमात्मा के चरणों में करता है।

अच्छे काम का विरोध होता है और तनाव बढ़ता है लेकिन करने से संभव होता है-तुकाराम मुंढे

विदर्भ स्वाभिमान, 23 सितंबर

अमरावती-अपनी ईमानदारी और कर्मठता के चलते अन्न तथा औषधि प्रशासन के आयुक्त के रूप में तुकाराम मुंढे युवाओं ही नहीं सभी के दिलों पर छा गए हैं। उनकी बेखौफ़ कार्रवाई से जहाँ अवैध धंधे वालों में भय व्याप्त है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अपार लोकप्रियता भी मिल रही है। राज्य में सबसे अधिक कर्मठ, दबंग आईएसएस अधिकारी के रूप में उनकी जहाँ गणना हो रही है, वहीं उनका मानना है कि अच्छी बातों का विरोध होता है। इससे कई बार तनाव भी बढ़ता है। लेकिन अगर जमीर के साथ ऐसे काम किये जाएं तो लोगों का सहयोग भी मिलता है। अगर कोई आदत बदलनी हो तो पहले पुरानी आदत छोड़नी पड़ती है और नई आदत अपनानी पड़ती है। इस दौरान काफ़ी उलझन होती है। शोर होता है, विरोध होता है और तनाव पैदा होता है।

तुकाराम मुंढे ने हाल ही में एक इंटरव्यू में यह बात कही थी। यह विचार उनकी अब तक की कार्यशैली से भी मेल खाता है। शायद इसी वजह से उन्हें अपनी सेवा के कुल सालों से भी ज्यादा बार तबादलों का सामना करना पड़ा है। लेकिन उनका कहना है कि हर तबादला बदलाव लाने का एक नया मौक़ा होता है।

महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफ़डीए) आयुक्त बनने के बाद उन्होंने मिलावटी, केमिकल युक्त, नक़ली और नियमों के ख़िलाफ़ रोंग़ों का इस्तेमाल करने वाले खाद्य उत्पादकों और कारोबारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई शुरू



की। उनकी कार्रवाई की चर्चा पूरे महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि दूसरे राज्यों में भी हो रही है। ख़ास तौर पर घटिया पनीर के ख़िलाफ़ कार्रवाई और उसके बाद एक साल के लिए एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध की वजह से वो चर्चा में हैं। हालाँकि सख्त कार्रवाई की यह उनकी पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वो जिस विभाग में गए, वहाँ उन्होंने इसी तरह काम किया। इसी कारण उनके बार-बार तबादले होने की चर्चा होती रही है। बीबीसी मराठी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि तबादले सरकारी सेवा का हिस्सा होते हैं, इसलिए वो इसकी चिंता किए बिना अपना काम करते रहते हैं। बीड ज़िले के एक छोटे से गाँव से शुरू हुआ उनका सफ़र आज महाराष्ट्र के सबसे चर्चित अधिकारियों में गिना जाता है। युवाओं में जहाँ अपार लोकप्रिय हैं, वहीं उनकी कार्रवाई से होटल, रेस्टॉरंटवालों से लेकर अवैध गुटखे बेचने वाले भी भयभीत हैं। चहेते अधिकारी बन गए हैं।

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सी. विष्णा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रद्धांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199 / 8855019189

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात

वाजवी दरात

सर्वात जास्त

प्लाटसचे सौदे

करणारे एकमेव

इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर,

नेहरू

मैदान, अमरावती. फोन

2564125, 2674048

विदर्भ स्वाभिमान सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है। बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है। इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है। ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें। मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए।

संपर्क

विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय,
छाया कॉलोनी, अकोली
रोड, अमरावती.
मो. 9423426199



गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबें, रजिस्टर, नोटबुक, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें, बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है।

—संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

गणेशोत्सव के रंग, जय माता दी मानस मंडल के संग

महादेव नगर में विजयकृष्ण तिवारी के यहां संगीतमय सुंदरकांड व भजन में जमकर झूमे भक्त, एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुती ने समां बांधा

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर

अमरावती-भक्ति की शक्ति अपार होती है, यही कारण है कि गणेशोत्सव के दौरान सर्वत्र भक्तिभाव और श्रद्धाभाव के साथ विभिन्न स्थानों पर संगीतमय सुंदरकांड और भजनों का कार्यक्रम लिया जा रहा है। इस कड़ी में शहर ही नहीं तो जिले में जय माता दी मानस मंडल का डंका बज रहा है। गणेशोत्सव के पहले दिन से लगातार कार्यक्रम हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान भजनों, संगीतमय सुंदरकांड के अलावा मानवता प्रेम, पर्यावरण संतुलन में योगदान का संदेश देने का कार्य भी मंडल के संचालक पं.लल्लू महाराज उर्फ सत्यप्रकाश दुबे तथा मंडल के जाने-माने कलाकार ऋषि भगत उर्फ सोनू दुबे तथा रितेश दुबे उर्फ रावण पंडित द्वारा किया जा रहा है। मंडल में बेहतरीन कलाकारों में बबलू, गणेश के अलावा ढोलक पर सुदर्शन द्वारा बेहतरीन कला की प्रस्तुती कर भक्तों को भक्ति सागर में डुबाने का कार्य किया जा रहा है।

शनिवार की रात्रि महाजनपुरा निवासी अमित तानवैस परिवार द्वारा संगीतमय सुंदरकांड तथा भजन का कार्यक्रम लिया गया। इसका क्षेत्रवासियों ने भक्तिभाव से लाभ लिया। माता-पिता के भक्त विजयकृष्ण तिवारी द्वारा शानदार घर



संगीतमय सुंदरकांड और भजन कार्यक्रम में प्रस्तुती देने गायक कलाकार ऋषि भगत तथा संगीत वाद्यों पर रितेश दुबे तथा अन्य कलाकार झूमते भक्त. यहां पर माता रानी, भगवान महाकाल, गुणवंतबाबा पर भजनों पर लोग थिरकने विवश हो गए.

का निर्माण तथा गणेशोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया था. इसका भी सैकड़ों भक्तों ने लाभ लिया.

कार्यक्रम की शुरुवात भगवान गणेश की आराधना से की गई. इसके बाद लोगों की फर्माइश पर एक के बाद एक भजन ऋषि भगत के साथ ही गणेश, बबलू ने भी प्रस्तुत कर भक्तों को भक्तिभाव में डुबा दिया. भक्तों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही थी. लेकिन तिवारी परिवार द्वारा की गई सराहनीय व्यवस्था की सभी सराहना कर रहे थे.

विनम्रता के साथ विजयकृष्ण तथा पुत्र दीपक तिवारी जहां दादा स्व.राजानारायण तिवारी तथा माता-पिता का आशीर्वाद बता रहे थे, वहीं कार्यक्रम का सिलसिला चार घंटे तक चलता रहा और भजनों तथा संगीतमय सुंदरकांड में भक्त मस्त रहे. इस दौरान हारे का सहारा खाटू श्यामजी तथा भगवान महाकाल पर प्रस्तुत भजनों पर भक्त झूम उठे. इतना ही नहीं तो विजयकृष्ण तिवारी सुपुत्र दीपक के साथ झूमकर नाचे. सभी ने शानदार कार्यक्रम तथा कलाकारों की सराहना की. गणेशोत्सव के रंग जय माता दी मानस मंडल के संग छा रहा है.



भक्तों का मिला है अपार प्रेम-लल्लू महाराज



जय माता दी मानस मंडल के संस्थापक और संचालक पं.लल्लू महाराज उर्फ सत्यप्रकाश दुबे ने बताया कि पण्डीवाले हनुमानजी की कृपा से मंडल की स्थापना को 25 साल के करीब हो गए हैं. आरंभ में शहरवासियों का प्रेम मिला लेकिन आज मंडल के कार्यक्रम समूचे विदर्भ में होते हैं. गणेशोत्सव तथा नवरात्रि उत्सव के दौरान तरीख नहीं मिल पाती है. उनके मुताबिक जीवन में जो भी दायित्व परमात्मा ने दिया है, उसे ईमानदारी और पूरे समर्पण के साथ निभाने पर सफलता मिलती है. आज मंडल में दोनों पुत्र ऋषि, रितेश दुबे के अलावा कई कलाकारों को रोजगार देने का कार्य किया है. भक्तिभाव तेजी से बढ़ने के साथ ही युवाओं में यह अधिक दिखाई देने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया. अभी तक 1000 से अधिक संगीतमय सुंदरकांड, माता का जगराता, भजन संध्या सहित अन्य कार्यक्रम पूरा होने की जानकारी दी.

हमारे यहां

हिंदी, मराठी, अंग्रेजी में

प्रेस नोट, जन्मदिन के लेख,

विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार, इसार चिट्ठी सहित साप्ताहिक तथा दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय देने का कार्य समुचित दर पर किया जाता है.

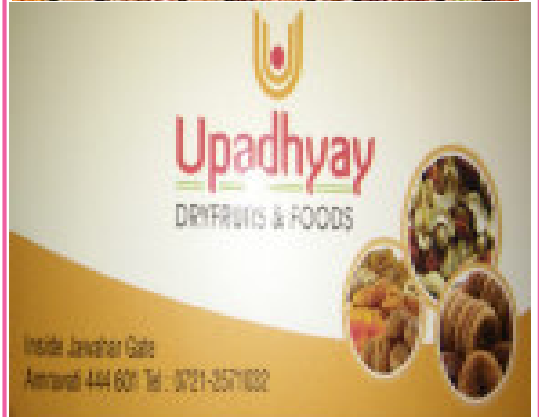
- ✓ प्रेस नोट
- ✓ जन्मदिन के लेख
- ✓ विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार
- ✓ इसार चिट्ठी
- ✓ साप्ताहिक व दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय



संपर्क

9423426199 / 8208407139

खुशियों के हर प्रकार के रंग
उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुड के



Inside Jawahar Gate
Amravati 444 601 Tel : 9721-3571030